

27.8.9 पड़ोसकारण के हीनिककरण उपलक्षित।

गुरु शरीर में निहित पारित हो
चुका है, लिहाजा यह शरीर का प्र
चलने योग्य नष्ट होने के कारण
मिया जाता है प्रवाली फलन गुण
होकर तम्बर के कान से व काबिल
द्वारा हो।

अपर कलक्टर बाड़मेर
(ए.डी.एम.)